मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–001

एम. ए. वैदिक अध्ययन

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-001 : वेद-वेदाङ्ग परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* ***दो*** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं। $4 \times 15 = 60$

1. ऋग्वेद संहिता का विस्तार परिचय लिखिए।
2. वैदिक संहिताओं के स्वरूप पर निबन्ध लिखिए।
3. पठित अंश के आधार पर ब्राह्मण साहित्य का परिचय लिखिए।

4. उपनिषद् से क्या समझते हैं? उपनिषद् साहित्य का वर्णन लिखिए।
5. आरण्यक-साहित्य की विषयवस्तु का विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. शिक्षा से क्या तात्पर्य है? शिक्षा के प्रयोजन एवं शिक्षा-ग्रन्थों के प्रतिपाद्य का विस्तृत वर्णन कीजिए।
7. व्याकरण का क्या प्रयोजन है? विस्तृत वर्णन कीजिए।
8. छन्दों का प्रयोजन बताते हुए सम्बद्ध ग्रन्थों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

भाग—ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

$4 \times 10 = 40$

9. किसी एक ब्राह्मण-ग्रन्थ का प्रतिपाद्य विषय लिखिए।
10. सामवेद-संहिता का परिचय लिखिए।
11. अथर्ववेद-संहिता का परिचय लिखिए।
12. निरुक्त का प्रयोजन लिखिए।
13. व्याकरण के आचार्यों का वर्णन कीजिए।
14. ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन अपने शब्दों में लिखिए।
15. सूत्र-साहित्य का परिचय लिखिए।
16. कल्प से क्या समझते हैं? कल्प का प्रयोजन लिखिए।

× × × × ×